पाठ-15 नये इलाके में

लेखक- अरुण कमल

पाठ्यपुस्तक के प्रश्नोत्तर

(1) नए इलाके में

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) नए बसते इलाके में कवि रास्ता क्यों भूल जाता है?

उत्तर नए बस रहे इलाके में कवि रास्ता भूल जाता है क्योंकि नित्य प्रति नई इमारतें बनती जाती हैं। पुरानी इमारतों के टूटे-फूटे खंडहर अब मिटते जा रहे हैं। प्राकृतिक वनस्पतियाँ, पेड़-पौधे भी सिमटते जा रहे हैं। पुराने निशान ऊँची-ऊँची इमारतों के पीछे छिपते जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में कवि का भ्रमित हो जाना स्वाभाविक ही है।

(ख) कविता में कौन-कौन से पुराने निशानों का उल्लेख किया गया है?

उत्तर 'नए इलाके में' कविता में पीपल का छतनारी वृक्ष ढहे हुए घर, ज़मीन का खाली टुकड़ा, बिना रंग वाले लोहे के फाटक जैसे पुराने निशानों का उल्लेख किया गया है। ये निशान पहले कवि को अपने घर का रास्ता पहचानने में मदद करते थे परंतु बढ़ती आबादी के साथ ये निशान लुप्त होते जा रहे हैं। इस प्रकार अतीत धूमिल पड़ता जा रहा है और प्रगतिशील वर्तमान ही दिखाई पड़ रहा है।

(ग) कवि एक घर पीछे या दो घर आगे क्यों चल देता है?

उत्तर कवि अपने घर की ओर लौटते हुए सही रास्ता नहीं पहचान पाते हैं। डगमगाते हुए कदमों से कभी वे दो कदम आगे निकल जाते हैं तो कभी दो कदम पीछे ही रह जाते हैं। वे उन ऊँची-ऊँची नई इमारतों के बीच अपने घर की एकमंजिली इमारत और उसके रंग-विहीन लोहे के फाटक को नहीं ढूँढ़ पाते हैं।

(घ) 'वसंत का गया पतझड़' और 'बैसाख का गया भादों को लौटा' से क्या अभिप्राय है?

उत्तर इस वाक्य से कवि यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि उन्हें घर छोड़े हुए ज़्यादा समय भी नहीं बीता परंतु लौटते ही सारी काया पलट चुकी है। पतझड़ और बसंत के बीच की दूरी ज्यादा न होते हुए भी कवि के घर लौटने पर सब कुछ बदल गया था। इस प्रकार से कवि यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि पतझड़ के समान टूटते-बिखरते घर जो कवि की स्मृति पटल पर छाए थे, वसंत तक फिर से नए और आकर्षक बन गए।

Scanned with CamScanner

बैसाख के मौसम में बादलों के छँट जाने पर स्वच्छ आकाश की भाँति शहर के जिस रूप को वे देखकर गए थे, भादों तक सब कुछ परिवर्तित हो गया था। अर्थात्, निर्माण और विनाश की प्रक्रिया समान रूप से चलती रहती है। कहीं भी, कुछ भी स्थिर नहीं होता है।

(ङ) कवि ने इस कविता में 'समय की कमी' की ओर क्यों इशारा किया है?

उत्तर कवि ने इस कविता में 'समय की कमी' की ओर इशारा किया है क्योंकि परिवर्तन की परंपरा बड़ी त्वरित गति से आगे बढ़ती है। विनाश होते देर नहीं लगती कि निर्माण के साधन पहले ही कारगर हो जाते हैं। कदाचित् इस प्रसंग के द्वारा कवि ने जहाँ एक ओर मानव व्यवहार से दुखी विद्रोही प्रकृति का रूप प्रस्तुत किया है वहीं दूसरी ओर मनुष्य की सृजनात्मक शक्ति की भी भरपूर प्रशंसा की है।

(च) इस कविता में कवि ने शहरों की किस विडंबना की ओर संकेत किया है?

अथवा

नए इलाके में कविता के माध्यम से कवि हमें क्या प्रेरणा देता है? **[CBSE 2011]**

उत्तर इस कविता में कवि ने शहरों की विडंबना को चित्रित किया है। शहरों में रोज़ कुछ पुराने निशान मिट रहे हैं तो रोज़ कुछ इमारतें बनती जा रही हैं। केवल स्मृति पर भरोसा करके अपने घर तक पहुँचना संभव नहीं है। ऐसी भयानक विप्लवकारी स्थिति में परस्पर अवलंबन भाव से जीवित रहना संभव है। साथ ही कवि यह भी जताना चाहते हैं कि हर दरवाज़े को खटखटाकर अपनों से मिलने की चाह पूरी हो सकती है। अर्थात घर तो वही है, छत-आँगन, सभी वहीं हैं, पर घर का बाहरी रूप बदल गया है। ऐसी स्थिति में दरवाज़ा खटखटा कर ही अपनों से मिलना संभव है। बदलाव का बहाव कुछ ज़्यादा ही तेज़ है। परिवर्तन की इस आँधी को हमें सहज भाव से स्वीकार करना चाहिए।

CS Scanned with CamScanner